• बाल कविताएं...

अगर कहीं...

कैसा आए मजा
अगर पेड़ पर लटकी होतीं
रंग-बिरंगी मछली,
तो मैं उनसे बातें करता
ढेरों अगली-पिछली!
अगर नदी में सेब, संतरा
या अनार ही उगता,
तो मैं बीच धार में जाकर
उसके दाने चुगता!
चंदा गोल न होकर
कुछ चौकोर अगर हो जाता,
तो मैं उसमें डोर
बांधकर खूब पतंग उड़ाता!
सूरज अगर कहीं बन जाता
एक बर्फ का गोला,
तो मैं उसको तोड़-तोड़कर
भरता अपना झोला!
बादल कोई आसमान से
नीचे अगर उतरता,
तो मैं उसका रथ बनवाकर
खूब सवारी करता!
लेकिन मन का चाहा
पूरा भला कहीं हो पाता?
आखिर अपना मन मसोसकर
मैं बैठा रह जाता!

■ योगेन्द्र दत्त शर्मा

• चुटकुले...

पिताजी ! आप रात को चश्मा लगाकर क्यों सोते हैं ?
बेटा ! मुझे स्वप्न में कुछ भी दिखाई नहीं देता।

☺☺☺

पंडित – मेरी आयु निन्यानवे वर्ष की है और एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो मेरा शत्रु हो।
युवक – यह बड़े आश्चर्य की बात है।
पंडित – भगवान का धन्यवाद है कि वे सब मर गये हैं।

☺☺☺

बच्चा – आप कहां पैदा हुये थे पापा?
पिता – बम्बई में।
बच्चा – और मम्मी कहां पैदा हुई थी?
पिता – मद्रास में।
बच्चा – और मैं कहां पैदा हुआ था?
पिता – कलकत्ता में।
बच्चा – तो पापा, एक बात मेरी समझ में नहीं आती – हम तीनों एक साथ मिल कैसे गये ?

☺☺☺

• जानकारी...

कितने साल तक जीते हैं लोग...

दुनिया काफी तेजी से बदल रही है। अमीर देशों का इंफ्रास्ट्रक्चर हाईटेक हो रहा है, वहां एडवांस हेल्थकेयर सिस्टम डेवलप हो रहा है। उद्योग-धंधे गांव-गांव तक पहुंच रहे हैं और लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। सरकारें इकोनॉमी ग्रोथ को प्रमोट करने के लिए अपनी पॉलिसी लगातार बदलाव कर रही हैं। इन सब का असर जीवन प्रत्याशा पर पड़ा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बदलती ट्रेड पॉलिसी और इकोनॉमिक ग्रोथ के कारण लोगों के जीने की इच्छा भी बढ़ी है, जिससे दुनिया की टॉप अर्थव्यवस्था वाले देशों में जीवन प्रत्याशा दर में सुधार हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के टॉप 29 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में जापान सबसे ऊपर है। यहां लोगों की औसत आयु 84.8 साल है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जापान के एडवांस हेल्थकेयर सिस्टम, क्राइम में गिरावट और एक्टिव लाइफ स्टाइल ने हाई लाइफ एक्सपेंटेंसी को बढ़ाने में मदद की है। वहीं, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हॉगकॉग है, जहां लोगों के औसत आयु 84.3 साल है।

दुनिया की टॉप इकोनॉमी में शुमार देशों में सिंगापुर, साउथ कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, थाईलैंड, चीन और अमेरिका में भी लोगों की औसत आयु में सुधार हुआ है। बड़े देशों की बात की जाए तो ऑस्ट्रेलिया में औसत आयु 83.6 साल, न्यूजीलैंड में 83.8 साल, चीन में 78.5 साल, अमेरिका में 78.2 साल है।

दुनिया के टॉप 29 देशों में भारत 26वें नंबर पर है। यहां लोगों औसत आयु 67.7 वर्ष है। भारत के बाद म्यांमार, पाकिस्तान और पापुआ न्यू गिनी का नंबर है। हैरान करने वाली बात यह है कि श्रीलंका और बांग्लादेश में लोगों की औसत आयु भारत के मुकाबले बेहतर है। श्रीलंका में औसत आयु 76.6 साल तो वहीं बांग्लादेश में औसत आयु 73.7 साल है। इसके अलावा रूस में 70.1 साल औसत आयु है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेड पॉलिसी आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर संसाधनों और बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करके लाइफ एक्सपेंटेंसी को बढ़ा सकती हैं।

शुद्ध मिठाई का भोज

पाँत दर पाँत लोग बैठे। गाँव के खेतों और सड़कों तक श्राद्ध का भोज खाने आए लोगों से पट गया। पत्तल बिछ जाने के बाद गोनू झा सभी पत्तल में एक–दो ईख का टुकड़ा रखते चले गए और पाँत के अन्त में खड़े होकर हाथ जोड़कर बोले– 'कृपया अब भोजन ग्रहण करें।'

उनकी इस बात पर भोज खाने आये लोग गुस्से में आ गए और कहने लगे – 'पंडित जी, यह क्या? यह तो सरासर हमारा अपमान है। इस तरह कोई घर बुलाकर मेहमानों का अपमान करता है?

गतांक से आगे...

अन्ततः गोनू झा ने नाई को बुलाया और अपनी माँ के श्राद्ध पर पच्चीस गाँवों को शुद्ध मीठा भोज के लिए आमंत्रण भेज दिया।

अन्ततः श्राद्ध का दिन आ गया। गोनू झा ने सुबह में ही अपने खेत से ईख कटवाकर मँगवा लिए थे और ईख को छोटे टुकड़ों में कटवा लिया था।

पाँत दर पाँत लोग बैठे। गाँव के खेतों और सड़कों तक श्राद्ध का भोज खाने आए लोगों से पट गया। पत्तल बिछ जाने के बाद गोनू झा सभी पत्तल में एक-दो ईख का टुकड़ा रखते चले गए और पाँत के अन्त में खड़े होकर हाथ जोड़कर बोले-'कृपया अब भोजन ग्रहण करें।'

उनकी इस बात पर भोज खाने आये लोग गुस्से में आ गए और कहने लगे - 'पंडित जी, यह क्या? यह तो सरासर हमारा अपमान है। इस तरह कोई घर बुलाकर मेहमानों का अपमान करता है? शुद्ध मिठाई के भोज की बात कहकर आपने हम लोगों को बुलाया और अब गन्ने का टुकड़ा परोस रहे हैं?'

गोनू झा अपने दोनों हाथ जोड़कर विनम्रतापूर्वक बोले-'आगत अतिथियो, आप सबों का मैं हृदय से स्वागत कर रहा हूँ। आप सोचें, मुझ गरीब ब्राह्मण से मेरे गाँव के वृद्धजनों ने पच्चीस गाँव के लोगों को शुद्ध मिठाई का भोज देने को कहा। मैंने सबसे अपनी गरीबी का वास्ता देकर पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाकर श्राद्ध की प्रक्रिया पूरी कर लेने का आग्रह किया था मगर किसी ने मेरी बात नहीं मानी... अन्त में मैंने शुद्ध मीठा भोज देना स्वीकार कर लिया। आप लोग भी स्वीकार करेंगे कि गन्ने से ज्यादा शुद्ध और मीठा कोई फसल हमारे खेतों में नहीं उपजता-आप लोग इसे ग्रहण करें और मेरी माँ की आत्मा की शान्ति के लिए भगवान से प्रार्थना करें।'

उनकी बात सुनकर पड़ोस के गाँव के लोगों ने उनकी विवशता समझी और रुचि से गन्ना चूसा और वहाँ से विदा होते समय गोनू झा से कहा -'आपने जो भी किया अच्छा किया... इससे आपके लोभी गाँववालों को भी अच्छा सबक मिल गया... अब वे लोग किसी की मजबूरी का फायदा उठाकर अपना पेट छप्पन पकवानों से भरने की कल्पना नहीं करेंगे।'

दूसरे गाँवों से आए लोगों की प्रतिक्रिया सुनकर गोनू झा के गाँव के उन लोगों का चेहरा उतर चुका था जिन लोगों ने गोनू झा को शुद्ध मिठाइयों का भोज कराने की सलाह दी थी।

-समाप्त

• रोचक...

काला गाजर

उत्तर-प्रदेश के लखनऊ में खासकर काले का गाजर का हलवा बिकता है। काले गाजर का हलवा का स्वाद भी बेहतर होता है। काले गाजर की खेती ठंडे मौसम में ही होती है। काले गाजर खाने के कई फायदे हैं। संतरी गाजर की तरह, काले गाजर भी बीटा-कैरोटीन से भरपूर होते हैं। ये विटामिन ए का एक रूप है, जो आंखों की रोशनी के लिए बहुत जरूरी है। काले गाजर का रेगुलर सेवन आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। काले गाजर में फाइबर की काफी ज्यादा होता है, जो पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करता है। ये आंतों की रेगुलेरिटी को बनाए रखता है और कब्ज जैसी समस्याओं से बचाता है। काले गाजर में विटामिन सी की मात्रा में पाई जाती है. जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है।

• ऑक्सीजन गैस...

इंसान के जीवन के लिए ऑक्सीजन गैस की जरूरत होती है। आपको 3 साल पहले का वो दौर याद होगा, जब कोविड महामारी के कारण ऑक्सीजन सिलेंडर की करोड़ों की संख्या में डिमांड हो रही थी। हमारे चारों ओर मौजूद हवा में मात्र 21 फीसदी ऑक्सीजन होती है। लेकिन मेडिकल इमरजेंसी में उसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। इसलिए मेडिकल ऑक्सीजन को खास वैज्ञानिक तरीके से बड़े-बड़े प्लांट में तैयार किया जाता है, वह भी लिक्विड ऑक्सीजन तैयार किया जाता है।